ध्यान गिरि

पर्वतारोहण बच्चे और बड़े सब पसन्द करते हैं, यहाँ तक कि बूढ़े भी यह आनन्द लेना चाहते हैं। ऐसा क्यों? ऊँचे स्थल पर वातावरण रमणीय होता है और कई प्रकार की वायु प्रवाहित होती है। इसी कारण वहाँ हमारा स्वभाव शांत रहता है।

हम समझते हैं कि जीवन बहुत मधुर है और पर्वतीय प्रदेश का प्राकृतिक वातावरण और भी मधुर। पक्षियों के कलरव में हम भी घुल मिल कर एकरस हो जाते हैं।

भौतिक गिरि पर चढ़ने से ही इतना आनन्द मिलता है तो आध्यात्मिक यात्रा करते समय या ध्यान गिरि पर चढ़ने से कितनी खुशी मिलेगी, इसका वर्णन कर पाना संभव नहीं।

अब हम ध्यान गिरि पर चढ़ेंगे और आत्मज्ञान रूपी पहाड़ पर आरोहण करेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को इसका अनुभव मिलना चाहिए।